बिजनेस के स्थानों पर नहीं पहुंच पाने की वजह से अपनी दैनिक रोजगारी गंवा रहे हैं। डीजल की कमी की वजह से सड़क पर चलने वाली कई बसें भी बन्द हैं, इस से और परेशानियां यात्रियों को हो रही हैं। इससे ऊब कर यात्री लोग ट्रेनें रोकने का आन्दोलन कर रहे हैं और यदि जल्दी ये चालू नहीं हों तो इस में और बढ़ावा हो जाएगा। फौरन इस में से कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को चालू कर दिया जाय और यथावत सभी ट्रेनें पूर्ववत् चालू हो जायें ऐसा प्रबन्ध यथाशीघ्र माननीय रेल मंत्री जी करें। ऐसी मैं आशा करता हूं और बार-बार कोयले की वजह से आये दिन ट्रेनें बन्द होने का जो रवैया चल रहा है उसको स्थायी रूप से बन्द करने के लिए उचित उपाय किये जायेंगे।

12.13 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

(ii) Railway services in Lakhimpur DISTRICT OF U.P.

श्रीमती उषा वर्मा (खेरी) : भारत-नैपाल सीमा पर स्थित उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी जिला जहां तक रेलवे द्वारा दी गई सुविधा का प्रश्न है बहुत उपेक्षित रहा है। हमारे देश में लखीमपुर के अलावा तिकुनियां, पलियाकलां, मेलानी जंक्शन जैसे स्टेशन हैं जहां से लखनऊ, बरेली और गोरखपुर या दिल्ली जाने वाले यात्रियों को 3 टायर स्लीपर में 7 अप, 8 डाउन तथा 29 अप, 30 डाउन दिल्ली की गाड़ियों में पर्याप्त सीटों के आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लखनऊ आने वाली तथा दिल्ली जाने वाली उपरोक्त गाड़ियों में समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। तिकुनिया स्टेशन पर प्रतीक्षालय तथा पलिया व मेलानी में रिटायरिंग रूम की भी व्यवस्था होनी चाहिए। मेलानी-गोरखपुर के बीच फास्ट पेसेंजर तथा एक्सप्रेस ट्रेन चलायी जानी चाहिए। ट्रेनें अक्सर देरी से चलती हैं, इस में सुधार की आवश्यकता है।

(iii) SUPPLY OF ESSENTIAL RAW MATERIALS TO SOUTHERN ZONE

SHRI K. ARJUNAN (Dharmapuri): Tamil Nadu has been pushed down from the 4th position to 7th position in getting its steel etc. Till 1972-73, Tamil Nadu was holding the second place in production of labour and producing employment, in India. This fact has been accepted by the Small Scale Industries, Government of India's 1977 statistical data. Some States, which have been lagging behind in industrial growth, during 1973-74, have now surpassed Tamil Nadu. Most of the industries in Tamil Nadu are concerned in the field of engineering and they mostly rely upon iron, pig iron and steel and other essential ores. The quota of these things allotted to Tamil Nadu has been reduced step by step. For example, during 1973-74, 4,48,968 tonnes of pig iron has been distributed through the Steel Authority of India for use in our country. Out of this quantity Tamil Nadu was allotted 49,332 tonnes of pig iron. This is 11 per cent of the total reserve. This amount was reduced step by step and became 5.51 per cent in 1978-79. In getting the resource of pig iron, Tamil Nadu has been relegated to the sixth position from the third position within the span of 1973-74 to 1978-79.

Likewise Tamil Nadu has also been pushed down from 4th position to 7th position, in getting its steel reserve in 1973-74. On the whole, the reserve for Southern States, namely, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Karnataka, Kerala and Pondicherry has been reduced step by step.

Foundries in Tamil Nadu had to buy their essential crude products from the productions of various other zones and they have to pay the respective prices.

Therefore, I request the hon. Minister to see that the concerned departmental authorities should allocate the above mentioned crude products to Southern Zone and also to increase the quota of such allocations over and above the quantity allotted during 1973-74.

(iv) DEPLORABLE CONDITION OF THE EMPLOYEES OF MESSRS GIOVANALA-BINNY LTD. COCHIN DUE TO LOCK-OUT

SHRI XAVIER ARAKAL (Ernakulam): This is to bring to the notice the serious and deplorable conditions of the employees of M/s. Giovanala-Binny Ltd., Cochin, a heavy engineering company. This company is practically locked out from 1977 onwards by the wilfull and intentional mismanagement. The Inquiry Commission of 1979 has submitted its report. No action seems to have been taken either by the Central or State Governments to start this company which has been manufacturing engineering items for national schemes and public utility. Many orders are pending for completion with the company. The lock-out is entirely mischievous with the sole intention of forcing the government to take it over and I urge upon this government, considering the importance and utility of the goods produced, the profits it used to make and the present miserable conditions of over 400 employees, to take speedy steps either to take over the management or compel the State Government to take over the management of Giovanala-Binny Ltd. of Cochin without further delay.

(v) NEED FOR DECLARING URDU AS A SECOND OFFICIAL LANGUAGE IN UTTAR PRADESH

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : बिहार सरकार ने उर्दू को द्वितीय राजभाषा घोषित कर दिया है। बिहार सरकार का यह कार्य बहुत सराहनीय है और इसके लिए वह बधाई की पात्र है।

उत्तर प्रदेश में भी वर्षों से उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिये जाने की मांग चली आ रही है। यहां पर उर्दू-भाषी लोगों की संख्या बिहार की अपेक्षा बहुत अधिक है। उत्तर प्रदेश में अभी तक उर्दू को द्वितीय राजभाषा का दर्जा न मिलने से उर्दू भाषी लोगों को बहुत क्षोभ है। मैं केन्द्रीय सरकार और विशेषकर प्रधान मंत्री से मांग करता हूं कि वह उत्तर प्रदेश सरकार को सलाह दे कि वह शीघ्रातिशीघ्र उर्दू को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा घोषित करे।

(vi) LATE-RUNNING OF TRAINS

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : नये रेल मंत्री की नियुक्ति तथा रेलवे बोर्ड में परिवर्तन के बाद लोगों में आशा जगी थी कि रेल गाड़ियों का आना-जाना समय से हो सकेगा। यात्री महसूस कर सकेंगे कि कहीं जाने पर वे समय से पहुंच जायेंगे तथा उनका निर्धारित काम पूरा हो जायेगा।

परन्तु दुःख है कि स्थिति में परिवर्तन के आसार नहीं दीख रहे हैं। गाड़ियों का विलम्ब से चलना आज भी जारी है। लगता है कि कोई किसी को देखने-सुनने वाला नहीं है।

गाड़ियों का विलम्ब से चलना सारे भारत की समस्या बन गयी है। हां, किसी क्षेत्र में स्थिति कम गंभीर है और किसी क्षेत्र में अधिक लोग महसूस नहीं कर पाते कि वे गन्तव्य स्थान पर समय पर पहुंच कर अपना काम कर लेंगे। अभी 30 नवम्बर, और 1 दिसम्बर की बात है। दिल्ली से पूरब और कलकत्ते से पश्चिम जाने वाली कोई भी गाड़ी घंटों कम विलम्ब से अपने गन्तव्य स्थान पर नहीं पहुंची। तिनसुकिया मेल, कालका मेल, डिलक्स, सोनभद्र एक्सप्रेस. दिल्ली-हावड़ा एक्सप्रेस, अपर इंडिया एक्सप्रेस आदि सभी गाड़ियां घंटों विलम्ब से